

भारत और AUKUS साझेदारी

यह एडिटरियल 15/02/2023 को 'इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित "India and the Anglosphere" लेख पर आधारित है। इसमें AUKUS समूह से संबंध मुद्दे और एशिया एवं भारत के लिये संबंधित नहितार्थों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

हाल ही में यूएस, यूके और ऑस्ट्रेलिया ने हृदि-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का एक नया बेड़ा बनाने की अपनी योजना के विवरण का खुलासा किया है। [AUKUS संधि](#) के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से कम से कम तीन परमाणु-संचालित पनडुब्बियों प्राप्त होनी हैं।

- AUKUS समझौता, जिसमें अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम की मदद से ऑस्ट्रेलिया द्वारा परमाणु-संचालित पनडुब्बियों प्राप्त करना शामिल है, की प्रशंसा और आलोचना दोनों ही की जा रही है। इसे हृदि-प्रशांत में प्रतिरोध और स्थिरता को सशक्त करने के साधन के रूप में देखा जा रहा है। हालाँकि चीन इसे एक खतरनाक गठबंधन के रूप में देखता है जैसा अमेरिका इस क्षेत्र में [क्वाड \(Quadrilateral forum/Quad\)](#) के साथ आकार दे रहा है।
- यह संधि भारत सहित एशिया क्षेत्र के लिये कई रणनीतिक परिणामों को अभिप्रेरित करेगी। हालाँकि यह भारत के लिये अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ व्यवस्थाओं की एक अनूठी शृंखला विकसित करने का एक सुअवसर भी है।

AUKUS समूह क्या है?

- यह ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस (AUKUS) के बीच हृदि-प्रशांत क्षेत्र के लिये एक त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी है, जिस पर वर्ष 2021 में हस्ताक्षर किये गए थे।
- ऑस्ट्रेलिया के साथ अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी प्रौद्योगिकी की साझेदारी इस व्यवस्था का प्रमुख आकर्षण है।
- हृदि-प्रशांत क्षेत्र पर इसका फोकस या इस ओर इसकी उन्मुखता इसे दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों के विरुद्ध एक सशक्त गठबंधन बनाता है।
- इस व्यवस्था में उक्त तीन देशों के बीच बैठकों एवं संलग्नताओं के साथ-साथ उभरती प्रौद्योगिकियों (एप्लाइड एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी और गहन समुद्र क्षमताओं) में सहयोग की एक नई संरचना शामिल है।

एशिया के लिये AUKUS समूह से संबंधित कौन-सी चिंताएँ हैं?

- **क्षेत्रीय सुरक्षा:**
 - AUKUS साझेदारी को, विशेष रूप से चीन द्वारा, क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिये एक चुनौती के रूप में देखा जाता है। समझौते में संवेदनशील रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं खुफिया सूचनाओं की साझेदारी शामिल है, जिसने क्षेत्र में सामरिक संतुलन पर इसके प्रभावको लेकर चिंता उत्पन्न की है।
- **कूटनीतिक नहितार्थ:**
 - AUKUS साझेदारी को भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के लिये एक कूटनीतिक आघात के रूप में भी देखा गया है, जिनमें पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों के रूप में देखा जाता रहा है।
 - इन देशों को भी है कि नई साझेदारी उन्हें किनारे पर धकेल देगी और क्षेत्र में उनके प्रभाव को कम करेगी।
- **अप्रसार (Non-Proliferation) पर प्रभाव:**
 - AUKUS साझेदारी में ऑस्ट्रेलिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बी प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण शामिल है, जिसने वैश्विक अप्रसार प्रयासों पर इसके प्रभाव के संबंध में चिंता उत्पन्न की है। कुछ विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है कि यह कदम एक खतरनाक मसाला कायम कर सकता है और अन्य देशों को अपनी परमाणु क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।
- **आर्थिक परिणाम:**
 - AUKUS साझेदारी ने इसके आर्थिक नहितार्थों के बारे में भी चिंता उत्पन्न की है, विशेष रूप से भारत जैसे देशों के लिये जिनके पास महत्वपूर्ण रक्षा उद्योग हैं। इस समझौते से प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है और यह ऑस्ट्रेलिया को रक्षा उपकरण बेच सकने की इन

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-and-the-aukus-grouping>

